हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, सोमवार, 3 मार्च 2025

तापमान

अधिकतम 26.6 डिग्री
न्यूनतम 9.7 डिग्री

11 मेले में किसानों को दी जाएगी कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देने...

12 स्वर्णिम भारत अनुभूति मेला लोगों में आध्यात्मिक जागरण का...

वन्य जीव संरक्षण के लिए चौधरीवाली सामुदायिक रिजर्व क्षेत्र घोषित

राजेश्वर बैनीवाल ⏭हिसार

- हिसार जिले को मिला पहला वन्य जीव आरक्षित क्षेत्र
- हरियाणा सरकार देगी बिश्नोई समाज के संरक्षण कार्यों को सहयोग

बिश्नोई समाज के वन्य जीव संरक्षण कार्यों को अब राज्य सरकार का भी सहयोग मिलेगा। इसके तहत राज्य सरकार ने हिसार में जिले का पहला सामुदायिक रिजर्व के चौधरीवाली गांव में चौधरीवाली सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र घोषित किया है। इसमें हिरण, मोर, सांडा अर्थात स्पाइनी-टेल्ड लिजार्ड और मरूस्थलीय लोमड़ी डेजर्ट फॉक्स, जंगली बिल्ली, गीदड़ और बहुत से पक्षियों व कछुओं जैसे वन्यजीवों के संरक्षण होगा।

वन्य जीव संरक्षण की मांग वाला प्रस्ताव ग्राम पंचायत कुलदीप डेलू. की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पारित करके सरकार को भेजा गया था। गांव की गोशाला के पास यह सामुदायिक रिजर्व 150 एकड़ भूमि में फैला हुआ है और इसका उद्देश्य क्षेत्रीय जैव विविधता को संरक्षित करना और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को सुरक्षित करना है। ग्रामवासियों की मांग व प्रचायत प्रस्ताव के अनुसार डिजिटल मानचित्र और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के साथ उपायुक्त हिसार और आदमपुर के तत्कालीन विधायक भव्य बिश्नोई की अनुशंसा सहित मामला सरकार को भेजा गया। राज्य सरकार ने इस इलाकें में समुदाय के प्रयासों को महत्व देते हुए आरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया। अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा के प्रदेश अध्यक्ष विनोद कड़वासरा द्वारा तैयार की गई 100 पेजों से अधिक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट

हिसार। चौधरीवाली गांव में संरक्षित पेड़ व वन क्षेत्र। फोटो: हरिभूमि

में इस इलाके के सभी प्रकार के जीव जंतुओं और पेड़ पौधों का सचित्र विवरण दिया गया है, जिन्होंने जैव विविधता संरक्षण में अपने लंबे अनुभव और विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए इस परियोजना को आकार दिया है। इस इलाके में यह एकमात्र ऐसा गांव है जिन्होंने अपनी बणी को कुदरती रूप में संजोए रखा है।

वन्यजीव संरक्षण में गत दशक से प्रयासरत वन्यजीव संरक्षक विनोद कड़वासरा ने बताया कि स्थानीय बिश्नोई समाज की भावनाओं के अनुरूप इस आरक्षित क्षेत्र को चौधरीवाली सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया है। इस इलाके में चौधरीवाली गांव में बिश्नोई पंथ के अनुयायी रहते है जिसके चलते इलाका अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिए विशेष महत्व रखता है। यहां देसी किकर, खेजड़ी, केर, जंगली बेर जैसे पौधे और चिंकारा, मोर, डेजर्ट फॉक्स और स्पाइनी-टेल्ड लिजार्ड जैसे वन्यजीव पाए जाते हैं। यह क्षेत्र बिश्नोई समुदाय के धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों से गहराई से जुड़ा है, जो सदैव प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण में अग्रणी रहे हैं। इसी को देखते हुए लगभग पांच साल पहले प्रयास शुरू किए थे।

हिसार पुलिस महानिरीक्षक अमिताभ सिंह ढिल्लो व विनोद कड़वासरा ने वर्ष 2020 में गांववासियों से बैठक करके सामुदायकि आरक्षित क्षेत्र के प्रावधान बारे बताया था जिसमें पहले भी पंचायत ने प्रस्ताव दिया जो सिरे नहीं चढ़ा, इसके बाद लगभग दो साल तक पंचायतें भंग रही और नई पंचायत गठित होने के बाद नवचयनित सरंपच कुलदीप सिंह डेलू की अध्यक्षता में आयोजित गांम सभा में दोबारा प्रस्ताव पारित किया गया और सभी दस्तावेज़ तैयार करके सरकार को भेजे गए। कई बार अधिकारियों और मुख्यमंत्री से बैठकों उपरांत अन्ततः वन्यजीव प्रेमी सफल हुए है और समुदाय के कार्यो को सरकार ने नोटिफिकेशन के माध्यम से पहचान दी है।

क्या होंगे फायदे

जमीन का मालिकाना हक ग्राम पंचायत का ही रहेगा लेकिन अब भूमि प्रयोग को नहीं बदला जा सकेगा। वन्यजीव संरक्षण कानून 1972 के प्रावधानों अनुसार प्रबंधन समिति का गठन करके प्रस्ताव उचित माध्यम से सरकार को अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा। प्रबंधन समिति में गांव से कम से कम पांच सदस्य, समुदाय प्रतिनिधि और जिला वन्यप्राणी विभाग प्रभारी सचिव के रूप में रहेगा। प्रबंधन समिति के सुझावों अनुसार ही इस इलाके की प्रजातियों के लिए संरक्षण योजना तैयार करके सरकार को भेजी जाएगी। भविष्य की योजनाओं में जलाशयों का निर्माण, हिरणों को बचाने के लिए शिकारी कुतों पर नियंत्रण व नसबंदी, हिरणों के लिए ग्रासलैंड तैयार करना, क्षेत्रीय वनस्पतियों का पुनरुत्थान और स्थानीय समुदाय को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान शामिल हैं। गांव के लोग हमेशा ही वन्यजीवों के संरक्षण में अग्रणी रहे है। हिसार जिले का यह पहला चौधरीवाली सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र घोषित हुआ है।

जल्द बनेगी कमेटी : कुलदीप

गांव चौधरीवाली के सरपंच कुलदीप डेलू का कहना है कि जल्द ही गांव की बैठक बुलाई जाएगी। बैठक में कर सरकार द्वारा घोषित सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र की प्रबन्धन कमेटी का गठन कर किया जाएगा।

सरकार ने आरक्षित क्षेत्र घोषित करके नई पहचान दी: विनीत गर्ग

वन विभाग के राज्य प्रधान मुख्य वन संरक्षक विनीत गर्ग का कहना है कि चौधरीवाली सामुदायिक रिजर्व वन्यजीव संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने और स्थानीय समुदाय के संरक्षण कार्यों को सरकार ने आरक्षित क्षेत्र घोषित करके नई पहचान दी है।

खबर संक्षेप

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

हिसार। हिसार-बरवाला रेल मार्ग पर गांव बुगाना के पास ट्रेन की टक्कर लगने से युवक की मौत हो गई। अभी युवक की पहचान नहीं हो पाई है। रेलवे पुलिस ने रविवार को सिविल अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर शव को पहचान के लिए मोर्चरी में रखवाया। रेलवे पुलिस के अनुसार शनिवार शाम को करीब सवा सात बजे सूचना मिली कि बुगाना में रेलवे ट्रैक के पास एक युवक का शव पड़ा है। उसकी मौत ट्रेन की टक्कर लगने से हुई है।

डिलीवरी ब्वाय को मारे लात व घूंसे, घायल

हिसार। कैमरी रोड पर एक निजी अस्पताल के पास चार युवकों ने स्कूटी रुकवा मारपीट कर पटेल नगर के रहने वाले हर्ष को घायल कर दिया। घायल हर्ष ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि वह जोमेटो में डिलीवरी का काम करता है। गत दिवस शाम करीब चार बजे कैमरी रोड पर एक निजी अस्पताल के पास पहुंचा तो पटेल नगर के विवेक, नंदू, शास्त्री नगर के सचिन बीमावाला व एक अन्य युवक आए। उन्होंने मेरी स्कूटी रुकवाकर गालियां देनी शुरू कर दी और मुंह पर थप्पड़- मुक्के मारे। सिविल लाइन पुलिस ने केस दर्ज करके छानबीन आरंभ कर दी है।

मां से मारपीट करने वाली युवती जांच में शामिल

हिसार। आजाद नगर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी की वृद्धा निर्मला से मारपीट करने व दांतों से काट खाने के मामले में उसकी बेटी रीटा के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज करके उसे जांच शामिल किया है। प्रताड़ना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने केस दर्ज किया था।

इस संबंधा में शिकायतकर्ता अमरदीप ने पुलिस को शिकायत देकर कहा था कि उसकी बहन रीटा की शादी दो साल पहले राजस्थान में की थी। वह 10-15 दिन बाद मां निर्मला के पास मॉडर्न साकेत कॉलोनी में आ गई। वह मां पर मकान अपने नाम कराने का दबाव बना रही है। उसने मां को बंधक बना रखा है और ना कुछ खाने-पीने को देती है। उसने मां निर्मला को बहुत शारीरिक व मानसिक यातनाएं दी।

सिर में चोट मारकर हत्या, केस दर्ज

उकलाना मंडी। खंड के गांव पाबड़ा निवासी हरिकेश उर्फ पप्पू के खेत में सिर में चोट मारकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची। हालांकि पहले चोट की जानकारी दी गई थी, लेकिन पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया है। परिजन पहले उसको खेत से अस्पताल ले गए जहां डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया था। इस उपरांत पुलिस कार्रवाई की जिसमें पुलिस ने हत्या का मामला उनके परिजनों के बयान पर दर्ज किया।

महज 52.4 फीसदी मतदाताओं ने डाले वोट, वर्ष 2018 के मुकाबले करीब 10 फीसदी कम रहा मतदान

शहर की छोटी सरकार चुनने के लिए मतदाताओं में नहीं दिखा उत्साह

- 268316 में से सिर्फ 140570 मतदाताओं ने किया अपने मताधिकार का प्रयोग
- मामूली बहस व आरोपों के साथ शांतिपूर्ण ढंग से हुआ निगम चुनाव में मतदान

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

नगर निगम चुनाव के लिए रविवार को मतदान शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। शहर की छोटी सरकार बनने के लिए निगम क्षेत्र के मतदाताओं ने अधिक रुचि नहीं दिखाई, जिसका नतीजा यह हुआ कि चुनाव फीसद 52.4 पर ही अटक गया। वर्ष 2018 के निगम चुनाव के मुकाबले इस बार करीब 10 फीसद मतदान कम रहा। पिछले निगम चुनाव में 62.7 फीसद मतदान हुआ था। निगम क्षेत्र में 2 लाख 68 हजार 316 में से सिर्फ 1 लाख 40 हजार 570 मतदाताओं ने ही अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पिछले छह वर्ष में मतदाताओं की तादाद तो बढ़ी लेकिन मतदान फीसद घटा है। उधर, शांतिपूर्ण मतदान प्रक्रिया संपन्न होने के साथ ही मेयर पद के लिए चुनाव मैदान में उतारे 7 तथा पार्षद पद 116 प्रत्याशियों को भाग्य ईवीएम में बंद हो गया है। मतगणना 12 मार्च को होगी।

मतदाताओं में नहीं दिखा उत्साह

नगर निगम चुनाव में मतदान के प्रति मतदाताओं में कोई खास उत्साह दिखाई नहीं दिया। निगम के सभी

मतदान केंद्रों खाली पड़े थे। मतदाताओं की कहीं लंबी लाइन देखने को नहीं मिली। कुछ ही बूथ पर लाइन के नाम पर 10-12 मतदाता ही खड़े दिखाई दिए। अधिकतर बूथों पर हालात यह थे कि जाओ और वोट डालकर आ जाओ। उधर, बूथों के बाहर प्रत्याशियों द्वारा वोटर स्लिप के लिए लगाई गई स्टॉलों पर उनके समर्थकों की ज्यादा भीड़ थी।

वोटर सूची ने परिवार को बांटा

नगर निगम चुनाव में इस बार कई मतदाताओं के सामने अजीबो-गरीब स्थिति बनी हुई थी। एक ही छत के नीचे रहने वाले परिवार के सदस्यों को मतदाता सूची में अलग-अलग वार्डों में वोटर दिखाया गया था। मतदाता अमर ने बताया कि पिछले निगम चुनाव में उसके पूरे परिवार के सदस्यों के वोट वार्ड छह में थे, लेकिन इस बार उसको छोड़कर परिवार के सभी सदस्यों को वार्ड 7 को मतदाता दिखाई गया है। इस तरह की दिक्कत कई और परिवार के साथ भी देखने को मिला।

चल रही प्रक्रिया का जायजा लिया

चुनाव पर्यवेक्षक आईएएस प्रभजोत सिंह तथा जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अनीश यादव खुद भी चुनाव प्रक्रिया पर नजर रखे हुए है। अधिकारियों ने समय समय पर बूथों पर पहुंच कर भी चल रही प्रक्रिया का जायजा लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अनीश यादव का कहना हैं कि मतदान के के बाद मशीनों को जमा करवाने के लिए भी पुख्ता इंतजाम हैं, सीसीटीवी की निगरानी में महाबीर स्टेडियम में स्ट्रांग रूम बने हुए हैं, साथ ही सुरक्षा कर्मी भी मुस्तैदी से इन रूम के आगे तैनात रहेंगे। 12 मार्च को काउंटिंग की प्रक्रिया होगी।

कंट्रोल रूम से भी हर पहलू पर नजर

महाबीर स्टेडियम में कंट्रोल रूम भी बनाया गया है। इसमें रिटर्निंग अधिकारी हरबीर सिंह की मौजूदगी में तमाम पहलुओं पर नजर रखी गई हैं, साथ ही मतदान संबंधित डेटा इत्यादि को भी बूथों से कलेक्ट किया गया। इसके साथ ही बूथों पर मतदान की प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा इत्यादि तो नहीं है, इस बारे में भी कुछ-कुछ अंतराल बाद फीडबैक भी लिया जा रहा है। साथ ही निर्देश दिए गए हैं कि अगर कहीं पर भी किसी प्रकार की शिकायत मिलती हैं तो संबंधित अधिकारी तुरंत एक्शन लें। रिटर्निंग अधिकारी हरबीर सिंह ने बताया कि निकाय चुनाव शांतिपूर्ण चल रहा हैं, 20 प्रतिशत पोलिंग पार्टियां रिजर्व रखी गई है।

जोनल मजिस्ट्रेट व सेक्टर ऑफिसर गए

नगर निगम हिसार चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के लिए इस चुनाव में जोनल मजिस्ट्रेट एवं सेक्टर ऑफिसर नियुक्त किए गए थे। निगम चुनाव के लिए 20 जोनल मजिस्ट्रेट व 40 सेक्टर ऑफिसर नियुक्त किए गए थे।

हिसार। आईटीआई में बने बूथ पर मतदान के बाद उंगली पर ली स्याही दिखाती विधायक सावित्री जिंदल।

हिसार। सैनी स्कूल में बने बूथ पर वोट डालने के बाद स्याही दिखाती बुजुर्ग महिला। फोटो: हरिभूमि

हिसार। अर्बन एस्टेट में बूथ पर पुलिस कर्मचारी से बहस करते भाजपा पदाधिकारी। फोटो: हरिभूमि

फर्जी मतदान को लेकर हंगामा

सेक्टर 16-17 कम्युनिटी सेंटर में फर्जी मतदान की बात सामने आने के बाद युवक ने हंगामा किया। भाजपा उम्मीदवार डा. सुमन यादव के एजेंट ने निर्दलीय उम्मीदवार सुमन श्योराण पर फर्जी मतदान कराने का आरोप लगाया है। इसी तरह अर्बन एस्टेट बूथ नंबर 145 में रखी पार्षद वाली वोटिंग मशीन अचानक खराब हो गई। यहां अढ़ाई घंटे से वोटिंग मशीन खराब रही। वोटिंग मशीन न चलने के कारण इंतजार करके ज्यादातर वोटर बिना मतदान किए ही वापस लौट गए। इस पर भाजपा नेता संजीव रेवड़ी ने प्रेजाइडिंग ऑफिसर से बात करके वोटिंग के लिए अतिरिक्त समय मांगा। इससे पहले वोटिंग के दौरान अर्बन एस्टेट बूथ पर हंगामा हो गया। भाजपा के बूथ अध्यक्ष नितिन सरदाना और जसविंदर सिंह वोटर लिस्ट लेकर मतदान केंद्र में घुसने लगे। यह देख पुलिस ने उन्हें बाहर ही रोक लिया। इस पर वे पुलिस से भिड़ गए और कहा कि हम बूथ अध्यक्ष हैं। पार्टी ने हमारी ड्यूटी लगाई है। हमें अंदर जाने से नहीं रोक सकते। मगर, पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद दोनों के बीच खूब बहस हुई। आखिर में भाजपा नेता को पोलिंग बूथ के परिसर से बाहर जाना पड़ा। शहर के कई मतदान केन्द्र मतदाताओं के घरों से दो-तीन किलोमीटर की दूर पर बने हुए थे। वार्ड 9 के कुछ मतदाताओं को एचटीएम स्कूल में बने बूथों पर अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए करीब दो-तीन किलोमीटर की दूरी का सफर तय करना पड़ रहा था।

पूर्व मंत्री डॉ. गुप्ता ने 98 साल की अपनी मां के साथ डाला वोट

पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने अपने परिवार सहित बाल भवन बूथ पर मतदान किया। डॉ. गुप्ता अपनी 98 वर्षीय मां सुशीला देवी के साथ मतदान करने पहुंचे। उधर, कांग्रेस के मेयर उम्मीदवार कृष्ण सिंगला टीटू ने परिवार सहित सेक्टर 13 के कम्यूनिटी सेंटर में तथा भाजपा उम्मीदवार प्रवीन पोपली ने सेक्टर 14 स्थित डीएवी स्कूल में परिवार सहित मतदान किया।

देश की सबसे अमीर महिला एवं हिसार की विधायक सावित्री जिंदल ने आईटीआई बूथ पर पहुंचकर वोट डाला। कांग्रेस से बागी होकर भाजपा में शामिल हुए रामनिवास राड़ा ने राजकीय माध्यमिक विद्यालय-2 के बूथ नंबर 34 में अपने परिवार के साथ मतदान किया।

हिसार। बाल भवन में बूथ नंबर 92 पर अपनी 98 वर्षीय माता सुशीला देवी के साथ मतदान करने पहुंचे पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता। फोटो: हरिभूमि

हिसार। पटेल नगर के सरकारी स्कूल में मतदान करने पहुंचा एक बीमार बुजुर्ग। फोटो: हरिभूमि

मेरी जीत पक्की : प्रवीन पोपली

मेयर पद के भाजपा प्रत्याशी प्रवीन पोपली ने दावा किया कि मतदान को लेकर जिस तरह की सूचना आ रही है, उसको देखते उनकी जीत पक्की है। उन्होंने कहा कि केंद्र तथा प्रदेश सरकार द्वारा लगातार किए जा रहे विकास कार्यों के चलते जनता खुशी है और ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने के लिए हिसार की जनता ने भाजपा को दिल खोलकर मतदान किया है।

हिसार। वोट डालने के बाद विक्ट्री का निशान बनाते भाजपा से मेयर पद के प्रत्याशी प्रवीन पोपली। फोटो: हरिभूमि

जनता बदलाव चाहती है : कृष्ण टीटू

मेयर पद के कांग्रेस प्रत्याशी कृष्ण टीटू सिंगला ने कहा कि भाजपा की जन विरोधी नीतियों के कारण मतदाताओं में तीव्र रोष है और वे बदलाव चाहते हैं। कांग्रेस पार्टी को मिल रहे हैं अपार समर्थन से उनकी व सभी वार्ड के कांग्रेस प्रत्याशियों की जीत निश्चित है। टीटू सिंगला ने दावा किया कि पूरे शहर भर से मिल रहे रुझान से वे हजारों मतों से चुनाव जीतकर मेयर बनेंगे।

हिसार। सेक्टर 13 के कम्युनिटी सेंटर में वोट डालने के बाद अपने परिवार के साथ विक्ट्री का निशान बनाते मेयर पद के कांग्रेस प्रत्याशी कृष्ण टीटू सिंगला। फोटो: हरिभूमि

हिसार। अर्बन एस्टेट में ईवीएम खराब होने के बाद मतदान के इंतजार में बैठे लोग। फोटो: हरिभूमि

यहां-यहां ईवीएम में आई दिक्कत

वार्ड 18 के बूथ नंबर 212 पर ईवीएम खराब होने के चलते करीब 15 मिनट तक मतदान रुका रहा। वार्ड 20 के बूथ नंबर 229 पर पार्षद प्रत्याशी ने ईवीएम के बटन काम न करने का आरोप लगाया। बूथ नंबर 85 में करीब 11.15 बजे ईवीएम खराब हो गई। करीब 40 मिनट बाद ईवीएम को दोबारा चालू की गई। बूथ नंबर 135 आईटीआई स्थित बूथ में 20 मिनट तक ईवीएम खराब हो गई। बैटरी कम होने के चलते मशीन बंद हो गई थी। इसी तरह अर्बन एस्टेट बूथ नंबर 145 में रखी पार्षद वाली वोटिंग मशीन अचानक खराब हो गई। यहां अढाई घंटे से वोटिंग मशीन खराब रही।

हिसार। मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद ईवीएम जमा करते कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

सफलता मन की शांति है, जो यह जानने में आत्म संतुष्टि का प्रत्यक्ष परिणाम है कि आपने सर्वश्रेष्ठ बनने का प्रयास किया, जिसके लिए आप सक्षम हैं।

- जॉन वुडन

आंगन में अंधेरा पसर आया तो रमा ने बिजली जला दी। सलौनी और उसके बच्चे गली से घर के आंगन में पहुंच चुके थे। पशुओं का काम निपटा उसने चार मोटी-मोटी रोटियां बनायी और दूध में डुबोकर उनके टुकड़े कर सलौनी और उसके बच्चों के आगे सरका दी। बच्चे रोटी खाने में व्यस्त हो गये, मगर सलौनी ने रोटियों को मुंह तक नहीं लगाया।

कहानी

आशा खत्री 'लता'

आज रात नहीं सोएगी सलौनी

प तिदेव बच्चों सहित भानजे की शादी में भात लेकर गये हैं। घर में रमा अकेली है। शाम से ही दो-तीन पड़ोसनें बारी-बारी से आकर रात में अकेले न सोने की ताकीद करती हुई खुद या किसी बालक को उसके पास सुलाने का आग्रह कर गयी हैं। मगर वह हरेक को यही उत्तर देती - "अकेली कहां, सलौनी और उसके बच्चे हैं ना।"उसके उत्तर पर पड़ोसनें मुस्कुराती नजरों से उसे देखती हुई उचटती सी निगाह सलौनी पर डालकर हंसती हुई चली जाती। उनकी हंसी में हास्य और व्यंग्य दोनों का पुट शामिल होता, लेकिन रमा जानकर भी अनजान बन अपने काम में लग जाती। 'लोगों की आदत है।' मन ही मन यही दोहराती हुई।

शाम ढल चुकी थी। आंगन में अंधेरा पसर आया तो रमा ने बिजली जला दी। सलौनी और उसके बच्चे गली से घर के आंगन में पहुंच चुके थे। पशुओं का काम निपटा उसने चार मोटी-मोटी रोटियां बनायी और दूध में डुबोकर उनके टुकड़े कर सलौनी और उसके बच्चों के आगे सरका दी। बच्चे रोटी खाने में व्यस्त हो गये, मगर सलौनी ने रोटियों को मुंह तक नहीं लगाया। वह चुपचाप बैठी रही। रमा ने उसे बार-बार कहा, इशारे किये मगर सलौनी टस से मस न हुई।

फिर रमा ने रोटी उसके बिल्कुल सामने सरकायी लेकिन सलौनी पर अब भी कोई असर नहीं हुआ। हां, इस बीच पिलूरे रोटी खाकर गली का चक्कर लगाने चले गये। लेकिन सलौनी वहीं गर्दन मोड़कर पेट में मुंह दिये पड़ी रही। 'मूक कह भी तो नहीं सकती कि रोटी क्यों नहीं खा रही, काश! इसके जुबान होती?' सोचती हुई रमा ने सुबह की रखी रोटी बोहिये से उठायी और थोड़ी सी मलाई उस पर रखकर खाने लगी। इतने में क्या देखती है कि सलौनी के शरीर में हरकत हुई और वह इत्मिनान से रोटी खाने लगी। रमा का जी भर आया, इतना प्यार, इतनी परवाह तो इन्सान भी इन्सान के प्रति न रखे। घर के काम से निपटी तो सलौनी और उसके बच्चे गली की घुमाई कर आ चुके थे। रमा ने बाहरी दरवाजे पर ताला लगाया, इसके बाद आंगन में 'फर्राटा' लगाकर अपनी चारपाई बिछाई तथा दूसरी सलौनी और उसके बच्चों के लिये लगा दी।

सलौनी जैसे इसी के इंतजार में थी। वह उचककर खाट पर जा चढ़ी, उसके बच्चों ने भी उसका अनुसरण किया। सारे के सारे कूं, कूं करते हुए आराम से चारपाई पर लेट गये। रमा भी अपनी चारपाई पर लेटकर आसमान को ताकने लगी। उसे दिन में मिलने आयी शुभचिन्तक पड़ोसनों की व्यंग्य भरी नजरें याद आई, उसका मन विचलित हो गया, अकेलापन सताने लगा। मगर अगले ही पल सलौनी के साथ ने उसे अकेलेपन के अहसास से उबार लिया। मन सलौनी के प्रति ममता से भर उठा। उसने करवट ली और हाथ बढ़ाकर सलौनी को सहलाने लगी। सलौनी ने भी पूंछ हिलाकर उसकी ममता को स्वीकार किया। रमा सोचने लगी पड़ोसनों का क्या दोष!

पिछले दिनों जब मां आयी थी तो उन्हें भी सलौनी का पूरे घर में इस तरह बेरोक-टोक घूमना, सटकर बैठना, खाट पर सोना नागवार गुजरा था। तभी तो वे कह उठी थी-

"गाँव में आकर तेरा रहन-सहन भी बिल्कुल बेसुरा हो गया है। कोई कुत्तों को भी ऐसे..."

"माँ" माँ के बात पूरी करने से पहले ही वह मुस्कुराते हुए बोल पड़ी थी।

"....तुझे नहीं पता इनकी अहमियत, इनका प्यार इनका निश्छल व्यवहार मनुष्यों से भी अधिक अपनत्व भाव। पेट भरने को तो ये कहीं भी भर लें, इन्होंने कौनसा हम मानुसों की तरह जोड़-जुगाड़ करना है। ये बेचारे तो बिन झोली के मंगते हैं, जो किसी का प्यार भी उधार नहीं रखते। जरा से स्नेह का जो सिला इनसे मिलता है उसको कह पाना भी मेरे जैसी के बस की बात नहीं। पता है पिछले दिनों क्या हुआ- दिन ढले की बात है 'वे' आंगन में बैठे खाना खा रहे थे और मैं रसोई में रोटी बना रही थी। तभी सलौनी उस कमरे की ओर देख-देख कर जोर-जोर से भौंकने लगी।" रमा ने भैंस के साथ वाले कमरे की ओर इशारा किया जिसका उपयोग वे स्टोर की भांति करते हैं। "मैंने इसे चुप होने को कहा, मगर यह चुप नहीं हुई। इसे लगातार भौंकते देख मैंने इन्हें कहा कि 'देखियो, सलौनी उधर भैंस के साथ वाले कमरे की तरफ देख-देख कर क्यूं एक सांस भौंके जा रही है।" ये चिन्तित हो बोले- "जरूर कोई कीड़ा-कांटा होगा, वरना ये इस तरह...." और इन्होंने रोटी बीच में ही छोड़कर लाठी उठाकर वहां रखा सामान टटोला तो पता है वहां क्या मिला...?"

"क्या... ?" माँ उसे हैरानी से ताकने लगी। "वहाँ रखे उसे गत्ते के बड़े डिब्बे में चार हाथ लम्बी नागिन बैठी थी। कोई भी दुर्घटना घट सकती थी माँ। जंगल के जीव जंगल में तो स्वछंद घूम सकते हैं। घर में तो बच्चे, हम दोनों, भैंस, गाय या कोई आया-गया, किसी के भी साथ...।" कहते-कहते रमा सिहर गयी थी।

"...इन्होंने सरगोशी की 'देख ये बैठी।' मैंने दौड़कर पास-पड़ोस से लोगों को बुलाया। तब कहीं जाकर उसका अन्त हुआ। सलौनी न होती तो हमें क्या पता चलता कि हमारे घर में हमारी मौत छुपी है।" कहते हुए रमा ने पास बैठी सलौनी का चेहरा प्यार से हाथों में लेकर अपने चेहरे से सटा लिया। जैसे बहुत प्यार आने पर माँ अपनी संतान के लाड लड़ाती है। सलौनी भी इस इत्मिनान से पूंछ हिला रही थी, जैसे बौराया बच्चा मां की गोद में पसरकर पैर हिलाता है।

"हमारी सलौनी के होते हिम्मत नहीं कि घर में परिंदा भी पर मार जाये। दूर गली में आ रहे अजनबी को देखते ही इसके कान खड़े हो जाते हैं।" रमा ने कहा तो मां ने भी सहमति में गर्दन हिलायी। अब उनका हाथ भी सलौनी के बदन को सहला रहा था। सलौनी रमा की गोद से हटकर मां के पांव में लौट गयी। जैसे मां को अभिवादन करते हुए उनका आशीर्वाद ग्रहण करना चाहती हो। सलौनी की इस हरकत से वे भी भावविभोर हो उठी। रमा को याद आया जब काका (ससुर) का देहान्त हुआ तो सलौनी शवयात्रा में इन्सानों की तरह ही शामिल हुई, शमशान तक साथ गयी। दाह संस्कार के बाद जब सब घर लौट आये ये वहीं रुकी रही और सांझ ढले तभी घर लौटी, जब चिता की अग्नि बिल्कुल राख में बदल चुकी थी। पूरा दिन ये बेचारी भी हम लोगों के साथ-साथ बिना अन्न जल ग्रहण किये रही, अन्यथा जानवर तो कहीं भी जाकर मुंह मार आये।

अभी पिछले महीने की तो बात है, भाई की बीमारी पर उसे एक सप्ताह के लिये पीहर रुकना पड़ा। वापस आयी तो सलौनी उसकी आहट पाकर गेट पर ही पहुंच गयी और उसके सामान रखने से पहले ही पिछले पैरों पर खड़ी होकर अगले दोनों पैर उसकी छाती पर रखकर ऐसे मिली जैसे बहुत दिनों से बिछुड़ी बेटी मां से गले मिलने को तड़प रही हो।

ऐसे अवसर पर उसे लगता है 'काश। सलौनी भी अपने दिल की बात कह पाती।' यह तो रोज का ही नियम है कि वह जब भी घर से बाहर जाती है सलौनी साथ जाती है। आसपास जाना हो तो ठीक है, खेतों में जाती है तो पीछे-पीछे चली आ रही सलौनी को कहना पड़ता है- "सलौनी, तू घर जा मैं खेत पर जा रही हूँ।" सुनते ही सलौनी आज्ञाकारी बच्चे की भांति घर लौट आती है।

रमा ने सलौनी की ओर करवट ली तो सलौनी ने झट से सिर उठाकर देखा। जाहिर है सलौनी जाग रही थी। रमा जानती है आज सलौनी रात भर सोयेगी नहीं।

वह हाथ बढ़ाकर सलौनी को दुलारने लगी तो सलौनी ने भी 'कूं, कूं' कर उसके स्नेह को अत्यन्त प्रेमभाव से स्वीकार किया।

'तुम्हारी वफादारी, चौकसी और प्यार का प्रतिदान हमसे कहां सम्भव है सलौनी?'

यही सोचते हुए रमा को नींद आ गयी। मगर सलौनी को आज की रात नींद कहां, वह बिल्कुल नहीं सोयेगी, मालिक और उसके युवा बेटों की अनुपस्थिति में उसकी मालकिन निश्चिन्त होकर सो सके, इसीलिए।

"हमारी सलौनी के होते हिम्मत नहीं कि घर में परिंदा भी पर मार जाये। दूर गली में आ रहे अजनबी को देखते ही इसके कान खड़े हो जाते हैं।" रमा ने कहा तो मां ने भी सहमति में गर्दन हिलायी। अब उनका हाथ भी सलौनी के बदन को सहला रहा था। सलौनी रमा की गोद से हटकर मां के पांव में लौट गयी। जैसे मां को अभिवादन करते हुए उनका आशीर्वाद ग्रहण करना चाहती हो।

लघुकथा

डा. रमाकांता

इंसाफ

रलदू, ओ रलदू, बाहर निकल। दरवाजे से किसी दबंग ने रलदू को ललकारा।

रलदू जान गया कि चौधरी ने जगह खाली करवाने के लिए अपना गुर्गा भेजा है। वह डरता-डरता बाहर आया और उस व्यक्ति को पहचान कर बोला- 'मालिक, बस दो दिन की मोहलत दे दो। कल मेरी बेटी की शादी है। रिश्तेदार परसों चले जाएंगे, मैं जगह खाली कर दूंगा।'

'कान खोल कर सुन ले, परसों फिर आऊंगा। जगह खाली ना मिली तो यहीं तेरे परिवार की कब्र खोद दूंगा समझ गया!' वह धमकी देकर तमतमाता हुआ वहां से चला गया।

दिन छिपते ही बस्ती में अजीब सा शोर सुनाई देने लगा। रलदू का बेटा रशीद घर से बाहर गया और थोड़ी ही देर में तेज़ कदमों से घर में आकर कुछ चिल्लाते हुए उसने अपने अब्बा को आवाज दी- 'अब्बू कहाँ हो? खेल खत्म अब्बू।'

अब्बू ने घबरा कर दबी जुबान से पूछा- 'क्या हुआ?'

'अब्बू मालिक खल्लास,' रशीद ने हाथ के इशारे से समझाया ।

'कैसे, और कब'? रलदू ने जिज्ञासावश पूछा।'

नामुराद को दिल का ऐसा दौरा पड़ा जमीन पर पड़ते ही चल बसा' -रशीद ने बताया।

रलदू की आंखों में आंसू आ गए। थोड़ी देर रुक कर बोला-'सुबह हमारी कब्र खुदवा रहा था। मालिक को क्या पता था कि रात होते-होते उस की ही कब्र के खोदने की तैयारी हो जाएगी।' कुछ सोच कर बोला 'बेटा उसके घर देर है पर अंधेर नहीं है।' रलदू ने ठंडी आह भरते हुए कहा ।

'अब्बू अल्लाह इंसाफ करता है। मालिक को गरीबों की बद्दुआ लगी है।' रशीद ने आकाश की ओर हाथ फैला कर कहा। बाप-बेटे के मुख पर संतोष का भाव झलक रहा था।

कविता

राजश्री

नफ़रतों की आग में

नफ़रतों की आग में ये बस्तियाँ जल जाएंगी।
फ़ूल, भौंरे, शाख़, पौधे, तितलियाँ जल जाएंगी।

मज़हबी ये आंधियाँ यूं ही अगर चलती रहीं,
दब गईं जो राख़ में चिंगारियाँ जल जाएंगी।

कुर्सी की खातिर लगा कर आग जो हैं सेकते,
उनके हाथों की भी तो सब उंगलियाँ जल जाएंगी।

जो मुहब्बत के दरीचे खुलते दिल के दरमियां,
आपसी उस प्यार की सब खिड़कियाँ जल जाएंगी।

क्यूं बढ़ाते नाम पर मज़हब के ये रुसवाइयाँ ,
आदमी रह जाएगा परछाइयाँ जल जाएंगी।

क़त्ल करके अम्न का यूं एक दिन पछताओगे,
चाहतें मिट जाएंगी नजदीकियाँ जल जाएंगी।

फिर मुहब्बत के चरागों को यहां रौशन करो,
जो दिलों में बढ़ गईं वो तल्खियाँ जल जाएंगी।

कविता

कवि पंडित वीरेंद्र मधुर

नई पहल

तारे निकल रहे थे,
सपने उछल रहे थे।

बीमारियों का नाटक,
वे मुखौटे बदल रहे थे।

धन की आग एसी,
पत्थर पिघल रहे थे।

झूठे फसल के दाने,
हथेली मसल रहे थे।

आंदोलन में बैठे बैठे,
उनको भी खल रहे थे।

मधुर सोने वाले सिक्के,
तिजोरी में पल रहे थे।।

कविता

पं. कमल कांत भारद्वाज

मधुमास आ गया

सरसों के पीले फूल,
खेतों में दिखाई देते हैं।
लगता है मधुमास आ गया
राग-ए-वसंत सुनाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

ये मौसम हैं हरियाली का,
उमंग और श्रृंगार का,
प्रकृति अपने यौवन के साथ है,
सब संगीतमय होते दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

सरसों, राई और गेहूं के खेत
मन को लुभाने लगते हैं
देखकर फसलों को किसान
गद-गद होते दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

जाती हुई सर्दियाँ, बड़े होते दिन
गुन गुनी धूप तेज होती है
अम्बर में उड़ते हुए
पीले पतंग दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

देखकर खो जाते हैं
कुदरत के शबाब में सब
मुझे चारों ओर
गुल चाँदनी के फूल दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

सुहाना मौसम, मंद सुरभित हवा
कोयल की कुक सुनाई देती है
मत वाला माहौल, मोहनी खूशबू
फाल्गुन के मदमस्त गीत सुनाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

आज के आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति पर डा. कंवल नयन कपूर का कहना है कि आज की युवा पीढ़ी के साहित्य और संस्कृति के प्रति कम होती रुचि सामाजिक दृष्टि से चिंताजनक है, जिसका समाज पर प्रभाव पड़ रहा है। इसलिए युवा पीढ़ी को साहित्य और संस्कृति से जोड़े रखने के लिए साहित्यकारों को अपनी संस्कृति और सभ्यता को सर्वोपरि रखते हुए अपनी कलम चलाना आवश्यक है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

साहित्य और संस्कृति से मिलती है समाज को नई दिशा: डा. कंवल नयन

साहित्य और संस्कृति में सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों पर बेबाक लेखन करने के मकसद से साहित्यकार अपनी विभिन्न विधाओं में साधना करके समाज में व्याप्त विसंगतियों को पाटने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे ही लेखकों में शुमार वरिष्ठ साहित्यकार डा. कंवल नयन कपूर अपने रचना संसार में साहित्य के साथ सांसकृतिक क्षेत्र में भी अपनी लेखनी चलाते आ रहे हैं। उन्होंने साहित्यिक कृति के शोध से ही पीएचडी की उपाधि हासिल की। अपने साहित्यिक और सांस्कृति क्षेत्र के सफर को लेकर वरिष्ठ साहित्यकार डा. कंवल नयन कपूर ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में ऐसे अनछुए पहलुओं का जिक्र किया है, जिसमें समाज साहित्य और संस्कृति से समाज को नई दिशा देना संभव है। साहित्यकार डा. कंवल नयन कपूर का जन्म 9 अगस्त 1944 को रावल पिंडी (पश्चिमी पाकिस्तान) के गांव जंड में नाथूराम व मीराबाई के घर में हुआ। भारत विभाजन के दौरान हिंसाओं की त्रासदी की कहानियों की गूंज में उनका बचपन बीता और अमृतसर, लुधियाना, कुरुक्षेत्र के विस्थापित कैम्पों ने उनके शिशु-मन को ऐसे छुआ कि अन्तर्मुखता, अकेलापन और एकान्त से स्थायी मित्रता हो गई। इसके बाद उनका पूरा परिवार 1949 में दिल्ली स्थानांतरित हो गया था, जहां उनके परिवार को स्थायी निवास मिला। दिल्ली में उन्होंने आई.ए.आर.आई. पूसा के सरकारी स्कूल से हायर सैकेण्डरी तक की शिक्षा ग्रहण की, गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज देवनगर और इवनिंग इन्स्टीट्यूट ऑफ हायर स्टडिज, दिल्ली विश्व विद्यालय से हिन्दी में एम.ए. की शिक्षा ग्रहण की, लेकिन परिवार में आर्थिक अभाव निरंतर चलती रही। उन्होंने आगे की शिक्षा छोड़ यमुनानगर (हरियाणा) के एम.एल.एन. महाविद्यालय में प्राध्यापन कार्य आरंभ किया। उन्होंने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से 'नई कहानी' विषय में शोध स्वरूप पी.एच.डी. उपाधि प्राप्त की। अगस्त 2004 में इसी महाविद्यालय से विभागाध्यक्ष पद से सेवानिवृत्ति हुई। परिवारिक और शैक्षणिक संस्थाओं के माहौल ने उनमें साहित्यिक संस्कारों का बीजारोपण किया। जबकि घर में माता भगवान कृष्ण की भक्त होने के कारण भजन और गीत गुनगुनाती रहती थी, तो वहीं उनके बड़े भाई उन दिनों भजन और देवी की भेंटे लिखकर गाते थे। मसलन साहित्यिक रुझान उनका अपने घर परिवार से ही हुआ और वह भी बचपन से ही तुकबंदी करने लगे थे। उनका साहित्य एवं चित्र कला के प्रति शुरू से ही विशेष झुकाव रहा है। इसी कारण वह स्कूल-कॉलेज में मंचित कार्यक्रमों में गायन, नाटक आदि में निरन्तर प्रतिभागिता करते रहे। इनकी कविताएं-लेख आदि स्कूल कॉलेज पत्रिकाओं के अलावा बड़ी पत्र-पत्रिकाओं में रचनाएं छपती रही। बकौल डा. कमल नयन, वह अपने आप को कवि और नाटककार मानते हैं, यद्यपि मूर्तिकला, स्थापत्य कला, पेंटिंग व क्ले माडलिंग, इंटीरियर डेकोरेशन जैसी विधाओं में भी उन्होंने काम किया है। सन् 1965 से 1967 तक संचेतन कहानी की ध्वज वाहक पत्रिका 'संचेतना' से सहायक सम्पादक के रूप में काम किया और दिल्ली से प्रकाशित होने वाली पत्रिका 'जाह्नवी' में उनका किशोर उपन्यास 'भारत सम्राट' धारावाहिक रूप से प्रकाशित हुआ। 1976 में पहला कविता संग्रह और 1978 में पहला 'लघु नाटक' संग्रह प्रकाशित हुआ। खासबात है कि इसी दौरान नाट्य मंचन, पेंटिंग, क्ले मॉडलिंग, स्थापत्य कला आदि में भी उन्होंने बहुत काम किया गया, जिसमें मंच संचालन, संगीत आदि में उनकी विशेष रुचि रही। नाटक, कहानी, कविता, समीक्षा, निबन्ध लेखन में निरन्तर प्रवृत रहे। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा लिखित छोटे-बड़े नाटकों के चार सौ से अधिक मंचन हो चुके हैं, जिनमें पंजाबी, उर्दू आदि का अनुवादित रूप भी शामिल है। उनकी लम्बी कविता 'शिशु होकर' एवं 'धन्यवाद कान्हा' का मंचन साहित्य-जगत में विशेष चर्चित विषय रहा है। उनका कहना है कि यह सत्य है कि हर रचनाकार अपने रचनाकर्म में आजीवन संलग्न रहते हुए भी अपनी श्रेष्ठ रचना की प्रतीक्षा में ही प्रस्थान पा जाता है। लेकिन इस सोशल मीडिया और इंटरनेट के युग में बढ़ते बाजारीकरण ने हर क्षेत्र को प्रभावित किया है।

प्रकाशित पुस्तकें

डा. कंवल नयन कपूर की प्रकाशित पुस्तकों में प्रमुख रुप से नाटकः यात्रा और यात्रा, कथा लंका दहन की, कथा लंका दहन की, जल घर, रक्त जीवी, आओ मेरे साथ,पंछी तीर्थम, शव पूजा, प्रकृति पर्व और छाया पुरुष जैसी कृतियां सुर्खियों में हैं। जबकि उपन्यासः भारत सम्राट, ठहरी हुई नदी, कविता संग्रहः बौणियां किरणां और उदास गुलमोहर, एक समन्दर मेरे अन्दर, किस्सा कमली दा,मूर्ख होने का सुख, शब्दों के पार, अजब कालखंड, संपत्ति और गीत-अगीत प्रकाशित हुई है।

डा. कंवल नयन कपूर

पुरस्कार व सम्मान

डा. कंवल नयन कपूर को उनकी कृति 'जल घर' के लिए हरियाणा साहित्य अकादमी का सम्मान भी मिला है। वहीं उन्हें राष्ट्रीय हिंदी सेवी सहस्त्राब्दी सम्मान से भी नवाजा जा चुका है। वहीं साल 1995 में तत्कालीन राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा ने भी सम्मान से अलंकृत किया। हरियाणा के भाषा विभाग, हिंदी साहित्य सम्मेलन, इंडियन ऑर्टस चंडीगढ़ तथा अनेक साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्थाओं से अनेक सम्मान व पुरस्कार मिले हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डा. कंवल नयन कपूर
जन्मतिथि : 9 अगस्त 1944
जन्म स्थान : रावलपिंडी (पश्चिम पाकिस्तान)
शिक्षा : बी.ए (ऑनर्स व संस्कृत), एमए(हिन्दी), पीएच.डी.
संप्रति : सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष, एमएलएन महाविद्यालय यमुनानगर, लेखक, साहित्यकार

नेतृत्व कुशलता दिखाती 'महिला ग्राम पंचायत'

पुस्तक : महिला ग्राम पंचायत
लेखक : मधुकांत
मूल्य : 40 रुपये
प्रकाशक : नेशनल बुक ट्रस्ट

पुस्तक समीक्षा

शशि कांत चौहान

महिला ग्राम पंचायत मधुकांत का महिला केंद्रित नाटक है। इस नाटक के माध्यम से लेखक ने यह दिखाया है कि महिलाएं भी सही विजन, नीतियो और योजनाओं के जरिये गाँव के विकास के साथ साथ समान में सुरक्षित माहौल बना सकती है। गाँव की सत्ता संभालने के पहले दिन ही क्या-क्या सुविधाएं दी जानी हैं और उसके लिए क्या कदम उठाए जाने है, इस तैयारी के साथ महिला सरपंच आती है और सब सदस्यों को अवगत कराने के साथ जिम्मेदारी भी लगाती है। अपने फैसले सुनाने के बाद वह दूसरे सदस्यों से सुझाव मांगती है यह उसकी नेतृत्व कुशलता को दिखाता है। महिला सरंपच और पंचों के कार्य संभालने के साथ ही गाँव के विकास के लिए मिलने वाली और में भ्रष्टाचार और महिला सदस्यों के पतियों द्वारा कार्य किए जाने के कारण जो उनकी निष्क्रियता थी उसे भी खत्म करने का बीड़ा महिला पंचायत ने उठाया और उसे अंजाम तक पहुंचाया। इसके साथ ही समाज का सबसे ज्वलंत मुद्दा महिलाओं के प्रति अपराध का है। गांव के बलात्कार जैसे मामलों को भाईचारे की दुहाई देकर दबा दिया जाता है वहीं सरपंच कहती है चाहे मेरा कोई मेरा सगा हो कड़ी सजा दो यह इस बात का प्रतीक है कि वह न्याय और समाज में शांति की कितनी बडी पक्षधर है। महिला सरपंच गांव के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिवद्ध दिखाई देती है। तभी तो वह गांव में वह शहरों जैसी सुविधाएं उपलब्ध करवाने के साथ साथ ग्रामीणों को रक्तदान, आधुनिक खेती बेटियों की शिक्षा के तमाम प्रबंधों के अलावा महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रयास करती नजर आती है। एक तरह से वह अपने प्रयासों में सफल हो जाती है। गाँव के विकास के लिए अच्छे बजट का प्रावधान करवाली है और जो पहली पंचायत की पहली बैठक में लिए गए फैसलों पर मंत्री जी एक दिन गांव में आकर पूरा करने की मुहर लगाते हैं। इसके साथ हो एक लेखक एक बड़ा उदाहरण भी पेश करता है। जिस तरह पुरुष महिलाओं का दमन करते आएं हैं और उनको उनके राजनीतिक अधिकारों का प्रयोग कसे में बाधा बनते रहे हैं जब एक पंच कहती है कि अब हम उन पर राज करेंगे तो सरपंच का यह कहना कि नहीं औरत और मर्द एक गाड़ी के दो पहिये हैं तो यह उसकी विवेकशीलता को और दिखाता है कि उसके मन में पुरुषों की प्रति कुठा नहीं है। वह सबको साथ लेकर चलने का संदेश देती है। कुलमिलाकर लेखक अपने प्रयास और अपना संदेश समाज तक पहुंचाने में सफल रहता है।

खबर संक्षेप

बीड़ बबरान धाम के नरेश प्रकटोत्सव आज से

हिसार। बीड़ बबरान धाम के 52वें बबरान नरेश प्रकटोत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 3 से 9 मार्च तक चलने वाले प्रकटोत्सव में हर रोज कई तरह के आयोजन किए जाएंगे। खास बात है कि उत्सव के अंतिम दिन श्याम बाबा को 351 फुट लंबा निशान अर्पित किया जाएगा। 9 मार्च को हिसार के अग्रसेन भवन से प्रातः 8.15 बजे भव्य निशान यात्रा शुरू होगी। 351 फुट लंबा निशान हाथ में थामे हुए सैकड़ों भक्त पैदल यात्रा करते हुए बीड़ बबरान पहुंचेंगे और इष्ट के चरणों में इसे अर्पित करेंगे।

स्मार्ट बिजली मीटर लगाने के विरोध में प्रदर्शन कल

हांसी। बिजली उपभोक्ता मंच हरियाणा संबंधित ऑल इंडिया इलेक्ट्रिसिटी कंज्यूमर एसोसिएशन के जिला उपाध्यक्ष सत्यनारायण भाटोल ने बताया की बिजली निजीकरण व स्मार्ट मीटर लगाने के विरोध में ऑल इंडिया इलेक्ट्रिसिटी कंज्यूमर एसोसिएशन 4 मार्च को दिल्ली जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर केंद्रीय ऊर्जा मंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा। 5 मार्च को दिल्ली के शाह ऑडिटोरियम में अखिल भारतीय कन्वेंशन आयोजित की जाएगी जिसमें हरियाणा सहित 20 राज्यों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे कन्वेंशन में आगामी आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी। भाटोल ने कहा की स्मार्ट मीटर लगाने का फैसला निजी कंपनियों के हित में उठाया गया एक जन विरोधी कदम है। सरकार द्वारा निजी कंपनियों की मांग पर जारी आरडीएसएस स्कीम के तहत सारे देश में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं।

रोड सेफ्टी जागरूकता रैली का आयोजन आज

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि 10 मार्च को विवि का दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाएगा। यूथ रेडक्रॉस इकाई की ओर से रोड सेफ्टी जागरूकता रैली का आयोजन किया जाएगा। विवि के यूथ रेडक्रॉस इकाई के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. महावीर प्रसाद ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई सोमवार 3 मार्च को सुबह 9:30 बजे जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

विधायक रामकुमार गौतम ने बूथ नंबर 16 में डाला वोट, पुलिस की चप्पे चप्पे पर रही सुरक्षा

नारनौंद नगर पालिका चुनाव में 82.7 मतदान

चेयरमैन पद के लिए 10 प्रत्याशी मैदान में हैं वही 16 वार्डों में 53 प्रत्याशी पार्षद के लिए चुनावी रण में है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौंद

नगर पालिका के महासंग्राम में रविवार को वोटिंग सुबह आठ बजे से शुरू हो गई थी। मतदान पूरी तरह से शांतिपूर्वक रहा। कुल 82.7 फीसद मतदान रहा। नगर पालिका क्षेत्र के कुल 14 हजार 82 मतदाताओं में से 11 हजार 643 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सुरक्षा के लिहाज से भारी पुलिस बल को तैनात किया गया था।

एडीजीपी डॉ. एम रविकिरण ने भी सभी बूथों का दौरा किया कर सुरक्षा का जायजा लिया। चेयरमैन पद के लिए 10 प्रत्याशी मैदान में हैं वही 16 वार्डों में 53 प्रत्याशी पार्षद के लिए चुनावी रण में है। सभी की किस्मत ईवीएम मशीन में बंद हो गई 12 मार्च को इनका परिणाम आएगा। सफीदों के विधायक रामकुमार गौतम ने वार्ड 16 के बूथ में वोट डाला। भाजपा नेता बिजेंद्र लोहान ने भी शहर के विकास के वोट डाला। रविवार को नारनौंद नगर पालिका के चेयरमैन पद और सभी 16 वार्डों के पार्षदों के चुनाव के लिए वोटिंग शुरू हो गई थी।

लोगों में मतदान को लेकर भारी उत्साह देखा गया सुबह से लोग मतदान करने के लिए मतदान केंद्र पर पहुंच गए थे। वोटर अमित, कृष्ण लोहान, मनीष, कुलदीप, अजीत, सुनील, नीरज आदि ने बताया कि शहर के विकास के लिए वोट डालने के लिए पहुंचे हैं। अबकी बार ऐसी प्रत्याशी को चेयरमैन चुनने का काम करेंगे जोकि शहर को विकास के मामले में ऊंचाइयों तक ले जा सके।

नारनौंद। मतदान केंद्र पर सुरक्षा का जायजा लेते एडीजीपी एम रवि किरण पुलिस बल के साथ, वोट डालने के लिए कतार में लगी महिलाएं। फोटो: हरिभूमि

नारनौंद। बारात लेकर जाने से पहले दुल्हा वासुदेव वोट करने के लिए पहुंचा।

विकास ने नाम पर वोट किया: गौतम

सफीदों से विधायक रामकुमार गौतम ने कहा कि विकास के नाम पर वोट किया है। नारनौंद का विकास सिर्फ हम ही कर सकते हैं। भीम गौतम को चेयरमैन बनाकर विकास करने का रिकॉर्ड बनाने का काम करेंगे। हमारा मुकाबला किसी से नहीं है। हमारी जीत पक्की है।

इनका भाग्य ईवीएम में बंद

चेयरमैन पद के प्रत्याशी भीमसेन गौतम, शमशेर कूकन, कुलदीप गौतम, सुरेश एमसी, मुकेश लोहान, अनुराधा, दिनेश ब्यास, सुमन रानी,मनीष, प्रदीप गौतम की किस्मत ईवीएम मशीन में बंद हो गई है। 12 मार्च को इनकी मतगणना होगी। सभी अपनी जीत के दावे कर रहे हैं।

चुनाव खर्च ऑब्जर्वर 4 और 5 मार्च को करेंगे उम्मीदवारों के चुनाव खर्च दस्तावेजों का निरीक्षण

नारनौंद। रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम मोहित महराणा ने बताया कि आगामी चार तथा 5 मार्च को चुनाव खर्च पर्यवेक्षक अशोक कुमार उम्मीदवारों के चुनाव खर्च दस्तावेजों का निरीक्षण करेंगे। एसडीएम महराणा ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि उम्मीदवार अपने चुनावी खर्च रजिस्टरों का निरीक्षण निर्धारित तिथियां को संयुक्त कार्यालय परिसर के कमरा नंबर 211 में सुबह 11 से शाम 3 बजे तक के बीच किसी भी समय आकर करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि विगत 21 फरवरी को उम्मीदवारों की बैठक लेकर चुनाव खर्च रजिस्टरों एवं अन्य दस्तावेजों की चेकिंग के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए थे। उन्हें इस संबंध में पूरी प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी गई थी कि किस प्रकार से चुनाव खर्च रजिस्टर, दस्तावेज का निरीक्षण करवाया जाना है।

नारनौंद। मतदान में एक युवक को चारपाई पर मतदान केंद्र पर लाकर वोट डलवाया।

हिसार। कंट्रोल रूम में मौजूद रिटर्निंग अधिकारी हरबीर सिंह तथा अन्य अधिकारी।

आईटीआई माजरा प्याऊ में मतगणना कर परिणाम किए जाएंगे घोषित: महराणा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौंद

नगर पालिका चुनाव की मतदान प्रक्रिया निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न हो गई है। इस चुनाव में 82.7 फीसद मतदाताओं ने मतदान किया।

रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम मोहित महराणा ने मतदान प्रक्रिया संपन्न होने के उपरांत उक्त जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा निर्वाचन आयोग के निर्देशों की पूर्ण रूप से अनुपालन करते हुए मतदान प्रक्रिया शांति पूर्ण तरीके से संपन्न करवा लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब 12 मार्च को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान माजरा प्याऊ में मत गणना का कार्य निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न करवाया जाएगा। आईटीआई परिसर में मतगणना केंद्र स्थापित किया गया है। रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि नगर पालिका चुनाव को लेकर प्रशासन द्वारा व्यापक प्रबंध किए गए थे।

नारनौंद। मतदान केंद्रों का दौरा कर मतदान प्रक्रिया का जायजा लेते सामान्य पर्यवेक्षक कमलेश कुमार भादू साथ है रिटर्निंग अधिकारी मोहित महराणा। फोटो: हरिभूमि

सामान्य पर्यवेक्षक तथा रिटर्निंग अधिकारी दिन भर करते रहे मतदान केंद्रों का दौरा

मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न करवाने के उद्देश्य के दृष्टिगत सामान्य पर्यवेक्षक कमलेश कुमार भादू, रिटर्निंग अधिकारी मोहित महराणा, सहायक रिटर्निंग अधिकारी संदीप माथुर मतदान प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही फील्ड में उतर गए थे। उन्होंने नगर पालिका क्षेत्र के लगभग सभी मतदान केंद्रों का निरीक्षण दौरा किया। इस दौरान वे चुनाव से जुड़े अधिकारियों तथा कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते भी दिखाई दिए। रिटर्निंग अधिकारी मोहित महराणा सुबह 6 बजे ही कार्यालय पहुंच गए थे। उन्होंने कई मतदान केंद्रो पर जाकर मॉक पोल का अवलोकन निरीक्षण भी किया। मतदान सुबह निर्धारित 8 बजे शुरू हुआ। मतदान के प्रति मतदाताओं में अच्छा खासा उत्साह दिखाई दिया। मतदान शुरू होने के कुछ देर बाद ही मतदाताओं की लंबी-लंबी लाइनें दिखाई दी।

हिसार। चुनावी चर्चा करते कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

हिसार। बूथ नंबर 41 पर परिवार के साथ वोट डालने के बाद उंगली पर लगी स्याही दिखाते पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर अनिल सैनी मानी। फोटो: हरिभूमि

हिसार। मतदान प्रक्रिया के दौरान निरीक्षण करते चुनाव पुलिस पर्यवेक्षक हामिद अख्तर, साथ हैं एसपी शशांक कुमार सावन व अन्य अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

हिसार। राजकीय माध्यमिक विद्यालय नंबर 2 के बूथ नंबर 34 पर अपने परिवार के साथ वोट डालने के बाद उंगली पर लगी स्याही दिखाते समाजसेवी व वरिष्ठ भाजपा नेता रामनिवास राड़ा। फोटो: हरिभूमि

हिसार। परिवार के साथ मतदान करने के बाद मतदान केंद्र के बाहर विजयी चिन्ह बनाते पूर्व मेयर गौतम सरदाना। फोटो: हरिभूमि

हिसार। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश सीनियर प्रवक्ता बजरंग गर्ग सेक्टर 14 के कम्युनिटी सेंटर में वोट डालने के बाद स्याही का निशान दिखाते हुए। फोटो: हरिभूमि

हिसार। सेक्टर 9-11 के सामुदायिक केंद्र में मतदान करने के बाद अपनी मां और धर्मपत्नी सेल्फी लेते सुरेन्द्र पानू हिन्दुस्तानी। फोटो: हरिभूमि

हिसार। मतदान के चलते राजगुरु मार्केट में बंद पड़ी दुकानें। फोटो: हरिभूमि

सीवरेज व्यवस्था का बुरा हाल

- बार-बार अवगत करवाने पर भी विभाग नहीं दे रहा ध्यान
- नागरिक हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ उकलाना मंडी

उकलाना में जगह-जगह सीवरेज व्यवस्था बदहाल होने से सीवरेज का गंदा पानी सडक़ों पर बह रहा है। इससे आमजन काफी परेशान है। सामान्य अस्पताल के सामने कालोनी में सीवरेज के ओवरफलो होने से गंदा पानी सडक़ों पर आ गया जिससे लोगों का वहां पर जीना दूभर हो गया है। गंदा पानी ओवरफलो होने से मच्छर पैदा हो गए और बीमारियां फैल रही है। हालांकि इस विषय पर अनेक बार स्थानीय निवासियों ने जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का अवगत करवाया है लेकिन स्थिति वैसी की वैसी बनी हुई है। स्थानीय निवासी कमलेश राजपति, गीता, संतरो, सुनीता, बाला, प्रदीप, सुंदर रानी, सुमन, सुरेंद्र, संजू आदि ने कहा कि अनेक बार कहने के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा। स्थानीय निवासियों ने कहा कि पार्षद को भी अवगत करवाया गया है लेकिन समाधान नहीं हो रहा। उन्होंने यह भी कहा कि नजदीक ही उकलाना का अस्पताल है।

उकलाना। सीवरेज समस्या दिखाते क्षेत्रवासी। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मेला 17-18 मार्च को

कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देने बारे देंगे जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 17-18 मार्च को कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष मेले का विषय कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देना होगा। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने रविवार को बताया कि मेले में आने वाले किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देने बारे में जानकारियां दी जाएंगी। इस मेले में विभिन्न बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के साथ इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी।

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का फ्लैचर भवन। फोटो: हरिभूमि

मेला ग्राउंड में लगेगा मेला

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट न. 3 के सामने मेला ग्राउंड पर लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई खरीफ फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई रबी फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई टेकनालोजी की जानकारी दी जाएगी।

स्टॉलों की बुकिंग शुरू

सह निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि कृषि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग तीन मार्च से शुरू की जाएगी। मेले में लगभग 250 स्टालें लगाई जाएंगी। प्राइवेट कंपनियों को स्टॉल पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवंटित किए जाएंगे। हकृवि द्वारा मेले में आने वाले किसानों के लिए सभी प्रकार के समुचित प्रबंध किए जाएंगे।

खबर संक्षेप

रेवाड़ी व दिल्ली के लिए और ट्रेने चलाने की मांग

मंडी आदमपुर। आदमपुर के दैनिक यात्री संघ, मानव कल्याण सेवा ट्रस्ट, व्यापार मंडल, भारत विकास परिषद सहित कई संगठनों ने उत्तर पश्चिम रेलवे के अधिकारियों से रेवाड़ी व दिल्ली के लिए और ट्रेन चलाने की मांग की है। संगठनों का कहना है कि सुबह 8:00 बजे के बाद रेवाड़ी व दिल्ली के लिए शाम 3:30 बजे तक कोई ट्रेन नहीं है तथा शाम 3:30 बजे आदमपुर रेलवे स्टेशन पर फाजिल्का रेवाडी ट्रेन पहुंचती है लेकिन उसे भी हिसार में 1 घंटे रोक लिया जाता है,जिससे दिल्ली-रेवाड़ी-रोहतक हांसी जाने वाले यात्रियों को भारी परेशानी होती है तथा वे समय पर गंतव्य स्थान नहीं पहुंच पाते हैं। मजबूरन उन्हें बसों में यात्रा करनी पड़ती है जिससे आर्थिक नुकसान के साथ-साथ परेशानी भी उठानी पड़ती है। संगठनों ने गोरखपुर बठिंडा एक्सप्रेस को आदमपुर में ठहराव देने, कालिंदी एक्सप्रेस व जोधपुर हिसार गाड़ी को सिरसा तक चलाने तथा किसान एक्सप्रेस को पुराने समय चलाने की मांग की है।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी मेले के अंतिम दिन लोगों की उमड़ी भीड़

स्वर्णिम भारत अनुभूति मेला लोगों में आध्यात्मिक जागरण का काम करेगा : सावित्री जिंदल

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के हिसार केंद्र द्वारा लगाए गए स्वर्णिम अनुभूति मेले के अंतिम दिन मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सावित्री जिंदल उपस्थित हुईं। मेले के दिव्य एवं आध्यात्मिक माहौल को देखकर उन्होंने कहा कि यह मेला बहुत सुंदर बनाया गया है जो लोगों में आध्यात्मिक जागरण का काम करेगा। इसमें आज की दुनिया के बारे में बताया गया है। मेले के माध्यम से आम जनमानस को संदेश मिल रहा है कि आज की दुनिया कांटों का जंगल और कलह कलेश का युग है इसे हमें गुण धारण कर सतयुग की दुनिया बनाना है। उन्होंने मोबाइल के इस्तेमाल को सीमित करने पर जोर देते हुए कहा कि जब जरूरी हो तभी मोबाइल का प्रयोग करें। मोबाइल से जितना दूर रहा जाए उतना अच्छा है।

- मेले में तीन दिनों तक लोगों ने महसूस किए अद्भुत अनुभव

हिसार। स्वर्णिम भारत अनुभूति मेले में उपस्थित विधायक सावित्री जिंदल व अन्य। फोटो : हरिभूमि

मेले में इन्होंने भी की शिरकत

मेले के अंतिम दिन आने वाले आगंतुकों में मुख्य रूप से एचएयू के उपकुलपति डॉ. बीआर कांबोज, शकुंतला राजलीवाला पूर्व मेयर, डॉ. योगेश बिदानी, पूर्व विधायक रामनिवास घोड़ेला, सुभाष ढींगड़ा समाज सेवी, संजय सेहरा, स्वामी सत्यदेव महाराज, स्वामी रामजीदास, सुशील खरींटा, बी.बी. बांगा व डॉ. वंदना शामिल रहे।

सांसद जयप्रकाश ने भी स्टॉल्स का किया अवलोकन

हिसार के सांसद जयप्रकाश भी मेले में विशेष तौर पर पहुंचे और उन्होंने मेले में लगी सभी स्टॉल्स का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज जन कल्याण का अच्छा कार्य कर रही है। विद्या देवी जिंदल स्कूल की छात्राओं ने मुख्य अतिथि के स्वागत में गीत गाया। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज हिसार केंद्र की संचालिका बहन बी.के. रमेश कुमारी ने बताया कि रविवार को मेले का आखिरी दिन था अंतिम दिन मेले में लोगों का भारी हुजूम उमड़ा हुआ था। वेल्यू गेम पंडाल, कांटों का जंगल, इंजीनियर साइंटिस्ट पंडाल में भारी भीड़ देखने को मिली। वहीं पिप टेस्ट मशीन से अपने तनाव का स्तर आंक कर माईंड स्पा में रिलेक्स होने के बाद के स्तर को लोगों ने जाना कि मेडिटेशन व मानसिक शांति हमें कैसे शांत रखती हैं। मेले में हर स्टॉल और झांकी ने लोगों को सकारात्मक संदेश दिया। मेले में आए लोगों ने तीन दिन तक अनोखे एवं अद्भुत अनुभव महसूस किए।

हिसार। कौशिक नगर स्थित ध्यान केंद्र में साधना करते साधक। फोटो : हरिभूमि

ध्यान की गहराइयों का मार्ग विपश्यना ध्यान : आचार्या

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

समर्थगुरु सिद्धार्थ फाउंडेशन के तत्वाधान में समर्थगुरू संघ हिसार ने कौशिक नगर स्थित साधना केंद्र में आज के संडे ध्यान में आचार्या मां उषा ने विपश्यना ध्यान करवाया। विपश्यना ध्यान ने मानव जीवन को सच्चे सुख और शांति की ओर प्रवृत्ति किया है, जिसका अर्थ है 'खुद को देखना'। विपश्यना ध्यान का मुख्य उद्देश्य आत्मा के अंदर की गहराइयों में जाकर सत्यता की प्राप्ति करना है। इस ध्यान पद्धति के माध्यम से, व्यक्ति अपने चित्त को शांत, स्थिर और एकाग्रचित्त में लेकर जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझने का प्रयास करता है। विपश्यना ध्यान का अभ्यास करने के लिए व्यक्ति को एक सुखद और शांतिपूर्ण स्थान चुनना चाहिए जहां वह बिना किसी अफरा-तफरा के आत्मा की खोज में रत रह सके। यह ध्यान आत्मा के अंदर की गहराइयों में जाने का माध्यम होता है जिससे व्यक्ति अपने स्वार्थ, अवस्था और जीवन के मूल्यों को समझ सकता है। विपश्यना ध्यान का अभ्यास करने से व्यक्ति को मानव जीवन के विभिन्न पहलूओं को देखने की क्षमता मिलती है। ध्यान के बाद समर्थगुरू संघ हरियाणा के संयोजक आचार्य सुभाष ने हमारे जीवन में ध्यान के महत्व पर विस्तार से चर्चा करते हुए समर्थगुरू संघ के कार्यक्रमों के बारे में चर्चा की।

गोमाता की सेवा से ही मिलेगा सतयुग का सुख : संत बलदेवा नंद

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। गांव धांसू की राधा कृष्ण गोशाला में गोकथा सुनाते संत बलदेवा नंद शास्त्री।

संत बलदेवा नंद शास्त्री ने कहा कि इस कलयुग में गोमाता की देखभाल करने वाला कोई नहीं है। लोग कहते हैं कि कलयुग चल रहा है, लेकिन जब तक गोमाता भूखी और दुखी गलियों में भटकती रहेगी, तब तक सतयुग नहीं आएगा। संसार की माता दुखी है, इसलिए यह काल ही बना रहेगा। संत बलदेवा नंद शास्त्री रविवार को गांव धांसू की राधा कृष्ण गोशाला में गऊकथा के दूसरे दिन श्रद्धालुओं को प्रवचन दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि गोमाता की सेवा जितनी की जाए, उतनी कम है। लोग करोड़ों कमाते हैं, अपनी पीढ़ियों और बच्चों के लिए धन जोड़ते हैं, लेकिन सब कुछ यहीं छोड़कर जाना है। उन्होंने कहा कि अपनी कमाई का कुछ हिस्सा गोसेवा में जरूर लगाना चाहिए। गोमाता की सेवा का पुण्य कभी व्यर्थ नहीं जाता। करोड़ों देवी-देवता गोमाता में वास करते हैं। संत ने कहा कि श्रद्धा के बिना कुछ भी संभव नहीं है।

अगर हम कथा सुनने के लिए पंडाल में बैठे हैं, तो यह हमारी श्रद्धा का ही भाव है। साध्वी सारिका ने मधुर भजन सुनाकर भक्तों का मनमोह लिया। इस अवसर पर जगदीश पूनिया, मानसिंह ठाकर, अनूप पूनिया, आत्माराम बिश्नोई, उग्रसेन डारा, माईलाल हरडु, सतबीर राड़, सुरेंद्र ढाका, हरिसिंह पूनिया, मनोहर भाखर, विष्णु फौजी, अभिलाष जाणी, सुनील सिहाग, सुरेंद्र राड़, कुलदीप मोगा, कृष्ण बिड़ासर, राधेश्याम सिहाग, करतार बौला,रामभगत भादू, रामकुमार भादू सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

हिसार। बार प्रधान एडवोकेट संदीप बूरा को सम्मानित करते बूरा खाप के पदाधिकारी।

हिसार बार प्रधान को मिला बूरा रत्न सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

रविवार को जींद जिले के हाट गांव में आयोजित सर्व बूरा सिरोही खाप के 12वें स्थापना दिवस समारोह में हिसार जिला बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित प्रधान एडवोकेट संदीप बूरा को बूरा रत्न सम्मान से नवाजा गया है। स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय कर्मभूमि ऐतिहासिक हिसार बार एसोसिएशन के शुक्रवार को संपन्न हुए चुनाव में पूर्व सचिव संदीप बूरा ने तीन बार प्रधान रह चुके सुरेंद्र ढुल को 130 मतों से शिकस्त दी थी। शुक्रवार को हुए मतदान में कुल 1925 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। प्रधान पद पर आठ प्रत्याशी मैदान में थे जिनमें से संदीप बूरा को 626 और सुरेंद्र सिंह ढुल को 492 वोट मिले थे। प्रधान, उपप्रधान, सचिव, संयुक्त सचिव व कोषाध्यक्ष पद चुने गए नए पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह सोमवार दोपहर को बार के हॉल में होगा।

अंतरजातीय विवाह का काजला खाप ने किया समर्थन

- राष्ट्रीय सम्मेलन में सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने का लिया निर्णय

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। काजला खाप के राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

राष्ट्रीय काजला खाप जात पात के कलंक को मिटाने के लिए अंतरजातीय विवाह का समर्थन किया है। इसके साथ ही खाप ने समगोत्र, समगांव व गोहांड में विवाह का जोरदार विरोध करते हुए सरकार से हिंदू मैरिज एक्ट 1955 में संशोधन करके ऐसी शादियों को प्रतिबंधित करने की मांग की है। खाप का कहना है कि यह मांग रूढ़िवादी न होकर वैज्ञानिक आधार पर नस्ल सुधारने के लिए व समाज में सौहार्द बढ़ाने के लिए है।

यह निर्णय रविवार को कुरुक्षेत्र में आयोजित खाप 12वें राष्ट्रीय सम्मेलन में लिया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन रामपाल काजला ने की। सम्मेलन में खाप के राष्ट्रीय संरक्षक धर्मवीर काजला ने मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत की। मंच संचालन राष्ट्रीय प्रवक्ता महेंद्र सिंह काजला ने किया। सम्मेलन का आयोजन खाप के हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष राजबीर काजला की देखरेख में किया गया।

सम्मेलन में नशाखोरी, दहेज, महिला उत्पीड़न व हर्ष फायरिंग जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरुकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। सम्मेलन में सर्वसम्मति से विवाह दिन में करने, बारात छोटी रखने व जन्मदिवस जैसे अन्य दिवस सादगी से मनाने तथा बच्चों की शिक्षा पर अधिक ध्यान देने के निर्णय भी लिए गए। सम्मेलन में खाप का चबूतरा व भवन निर्माण के लिए उचित स्थान व भूमि की तलाश के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष व राष्ट्रीय संरक्षक को अधिकृत किया गया।

सम्मेलन में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजयपाल, प्रवक्ता महेंद्र सिंह, मान सिंह काजला, मांगेराम काजला, राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष प्रमेंद्र, दिल्ली प्रदेशाध्यक्ष कृष्ण काजला, यूपी के श्यामवीर काजला, हरियाणा के राजबीर काजला, रतन सिंह काजला, सतपाल काजला, सतविंदर सिंह, कमल काजल सरपंच व जगतार सिंह चार प्रदेशों के सैकड़ों काजला बंधु मौजूद रहे।

हिसार। पेंटिंग अभियान में लगे संस्था के कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

हमारा प्यार-हिसार' की पहल 'पहले सफाई अभियान- फिर मतदान'

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

'हमारा प्यार-हिसार' ने रविवार को लोकतंत्र के पर्व की शुरुआत आज अपने नियमित पेंटिग अभियान के साथ की। सदस्यों ने एक बार फिर पीएलए की लंबी दीवार पर सुंदर कलाकृतियां बनाने का कार्य जारी रखा।

कुछ कलाकार साथियों ने पक्षियों, तितलियों और फूलों की सुंदर ड्राइंग बनाई तो कुछ ने उनमें रंग भरने का कार्य किया। अभियान के बाद सभी सदस्यों ने मतदान करने का संकल्प भी लिया। अभियान में सुशील खरींटा, डॉ. सुरेंद्र गर्ग, प्रो. हरीश भाटिया, डॉ. राज सोनी, मंजू पूनिया, कमल भाटिया, स्नेह धवन, जितेंद्र बंसल, सचिन, सुहासिनी, विजय कादियान, युद्धवीर पानू, दीप्ति कादियान, दिनेश बंसल, संजय मारवाड़ी, बंटी, साहिल गिरधर, पराग बंसल, सुरेंद्र पानू, राजन वर्मा, ईशा बिष्ट, एकता, रावि अग्रवाल, दीक्षा, सपना, मन्नत सैनी, यजत, वेदांकुर, इप्सिता, रिमछा, नील, नायरा व पार्थ शामिल हुए।

महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं : मौसमी

- कर्म कल्याणी संगठन ने मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

कर्म कल्याणी संगठन की ओर से मॉडल टाउन स्थित गुरु नानक देव स्कूल में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर नृत्य, नाटक, प्रश्नोत्तरी आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम सदस्यों द्वारा प्रस्तुत किए गए। कर्म कल्याणी संगठन के सभी सदस्यों ने इस कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग लिया।

प्रधान मौसमी कर ने रविवार को बताया कि महिलाएं हर क्षेत्र में अब पुरुषों से कम नहीं है और सभी महिलाओं को अपने अधिकार और कर्तव्यों के बारे में जानकारी होनी चाहिए। कोमल राठौर और सीमा भुटानी ने संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से बताया और सभी को महिला दिवस पर बधाई दी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रोहित कुमार जैन (फाउंडर कॉल कप खजाना), संजीत सिंह प्रिंसिपल ने शिरकत की। अनीशा सहगल, सीमा मुंजाल, आरती अरोड़ा, रितु रानी, संतोष रानी, रोशनी खरब, गीता चौधरी, रोहतास कुमार आदि सदस्यों को कर्म कल्याणी संगठन द्वारा सम्मानित किया गया।

हिसार। अतिथियों को सम्मानित करते कर्म कल्याणी संगठन की सदस्याएं।

छाजूराम शिक्षण महाविद्यालय की रूपाली रही द्वितीय

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की विज्ञान फॉर्म व मौलिक विज्ञान व मानविकी महाविद्यालय के सौजन्य से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिसमें छाजूराम शिक्षण महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। प्राचार्या डॉ. उर्मिला मलिक ने कहा कि पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता में कॉलेज की छात्रा रूपाली सागवान ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। शशि को पोस्टर मेकिंग व सौरभ जोशी को क्विज में भाग लेने के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए डॉ. मोनिका की विशेष भूमिका रही।

छात्रा रूपाली

हिसार। कैंप में जांच करती चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

कुभा में मुफ्त मेडिकल जांच शिविर लगाया

हिसार। कुंभा नागरिक मंच द्वारा हर साल की तरह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव कुंभा तहसील हांसी के प्रांगण में मुफ्त मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। यह जानकारी देते हुए बलवान सिंह दलाल ने बताया कि इस कैंप में विशेष रूप से अमेरिका से आए डॉ. कर्मवीर दलाल और डॉ. धर्मपाल मान ने मरीजों का चेकअप किया और दवाइयां दी। इसके अलावा कैंप में विभिन्न रोगों के सुपर स्पेशलिटी डॉक्टरो ने मरीजों की जांच की। कैंप में 475 मरीजों ने अपनी जांच करवाकर मुफ्त में दवाई ली। इस अवसर पर राजकुमार जांगड़ा, सरपंच योगेश दलाल, राजबीर दलाल, कपूर सिंह, साहिल दलाल, मोहित दलाल, विनोद दलाल, राहुल दलाल, मदन यादव, अक्षय दलाल, मोहित ग्रेवाल और अमरजीत दलाल जतिन, यश दलाल, मनीष चौहान और मनजीत आदि मौजूद रहे।

एसडीएम ने किया कृषि विस्तार कार्यक्रम का उद्घाटन

हांसी। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय परिसर में शनिवार को पंजाब नेशनल बैंक के सौजन्य से कृषि विस्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एसडीएम राजेश खोथ ने रिबन काटकर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों एवं छोटे उद्यमियों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं ऋण सुविधाओं की जानकारी देकर इनका लाभ प्रदान करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए एसडीएम राजेश खोथ ने कहा कि यह कार्यक्रम किसानों और छोटे उद्यमियों के लिए नई दिशा प्रदान करेगा, जिससे न केवल उनकी आय में वृद्धि होगी, बल्कि कृषि क्षेत्र में तकनीकी उन्नति एवं उत्पादकता भी बढ़ेगी। कार्यक्रम के दौरान कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न प्रकार के आधुनिक कृषि उपकरण एवं तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। पंजाब नेशनल बैंक के मंडल अधिकारी नरेश कुमार, सूरज, कृषि विस्तार कार्यक्रम के एजीएम रजत शर्मा तथा बैंक अधिकारी राजीव रावल ने किसानों एवं उद्यमियों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं, ऋण सुविधाओं एवं सब्सिडी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

हांसी। कृषि विस्तार कार्यक्रम में पहुंचने पर एसडीएम राजेश खोथ का स्वागत करते बैंक अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9653530207, 8814999173, 9253681005

तकनीकी शिक्षा निदेशालय के महानिदेशक ने की गुजवि के आधारभूत ढांचे की सराहना

गुजवि देश में तेजी से बढ़ते विश्वविद्यालयों में एक: प्रभजोत

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

तकनीकी शिक्षा निदेशालय हरियाणा के महानिदेशक प्रभजोत सिंह ने कहा है कि हिसार का गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय देश में सबसे तेजी से बढ़ते विश्वविद्यालयों में एक है। विश्वविद्यालय की प्रयोगशालाएं तथा अंतराष्ट्रीय स्तर की है।

प्रभजोत सिंह ने हाल ही में विश्वविद्यालय के दौरे के दौरान डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सीआईएल लैब का दौरा किया। उनके साथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई भी रहे। प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने बताया कि प्रभजोत सिंह एक अत्यंत सरल स्वभाव और धरती से जुड़े अधिकारी हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के प्रति अत्यंत सकारात्मक दृष्टिकोण दिखाया। प्रभजोत सिंह ने सीआईएल लैब के एक-एक उपकरण को बेहद बारीकी से देखा और उपकरणों की एप्लीकेशन और महत्व के बारे में जानकारी हासिल की। उन्होंने कहा कि हरियाणा के विकास में इस प्रकार की प्रयोगशालाओं का अहम योगदान हो सकता है।

कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने प्रभजोत सिंह को बताया कि विश्वविद्यालय की इस लैब से न केवल हरियाणा बल्कि अन्य प्रदेशों के संस्थान भी फायदा उठा रहे हैं। प्रभजोत सिंह ने विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। प्रभजोत सिंह ने कुलपति को आश्वासन दिया की राज्य सरकार की ओर से विश्वविद्यालय को हर संभव सहायता व मार्गदर्शन दिया जाएगा। इस अवसर पर कुलसचिव डा. विजय कुमार, सीआईएल के निदेशक प्रो. मनीष आहुजा तथा कुलपति के सलाहकार प्रो. विनोद छोकर भी उपस्थित रहे।

हिसार। सीआईएल लैब का दौरा करते तकनीकी शिक्षा निदेशालय हरियाणा के महानिदेशक प्रभजोत सिंह, साथ हैं कुलपति प्रो. नरसी राम एवं अन्य अधिकारी। फोटो : हरिभूमि